तापमान
अधिकतम 38.2 डिग्री
न्यूनतम 21.1 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

13 टूटी सड़क दे रही हादसों को न्योता

14 जीवन में अध्ययन व स्वाध्याय जरूर करें

भाजपा का 69.83% मत लेने का रिकॉर्ड तो कांग्रेस नहीं बढ़ पाई 48% से आगे

सोनीपत लोकसभा चुनाव का लेखा- जोखा

भाजपा का रिकॉर्ड 25 साल पुराना तो कांग्रेस पार्टी का 40 साल पुराना

पार्टी के पक्ष में सबसे अधिक मतदान का रिकॉर्ड है जनता दल के नाम

1999 में भाजपा के किशन सिंह सांगवान ने प्राप्त किए थे 69.83 प्रतिशत मत

कांग्रेस के लिए सबसे अधिक 1984 में धर्मपाल मलिक ले पाए थे 48 प्रतिशत मत

कांग्रेस ने 3 बार पार किया है 40 प्रतिशत मत का आंकड़ा भूपेंद्र हुड्डा भी नहीं कर पाए

दीपक वर्मा ▶▶ सोनीपत

सोनीपत लोकसभा सीट का अस्तित्व 1977 में आया था। अस्तित्व में आने के बाद से सोनीपत लोकसभा के लिये अब तक कुल 12 बार (उपचनुाव को छोड़कर) चुनाव हो चुके हैं। इन 12 चुनावों में 4 बार भाजपा, 3 बार कांग्रेस तो एक-एक बार जनता पार्टी, जनता पार्टी (एस), जनता दल, लोकदल व आजाद उम्मीदवार ने जीत का स्वाद चखा है। सिर्फ किशन सिंह सांगवान ही ऐसा नेता रहे हैं, जोकि लगातार तीन बार सांसद चुने गए हैं, इनके अलावा रमेश कौशिक ने लगातार दो बार सांसद बनने का गौरव हासिल किया है।

विड्डिान्न राजनीतिक दलों के मतदान प्रतिशत के बारे में बात करें तो सोनीपत लोकसभा सीट पर भाजपा का रिकॉर्ड 25 सालों से कायम हैं। 25 साल पहले भाजपा प्रत्याशी किशन सिंह सांगवान ने 69.83 प्रतिशत मतों के साथ अपनी जीत पक्की की थी। वहीं कांग्रेस के लिये सबसे अधिक मतदान 40 साल पहले दर्ज किया गया था। 1984 में धर्मपाल मलिक कांग्रेस की टिकट पर 48.34 प्रतिशत मत प्राप्त करते हुए सांसद बने थे। धर्मपाल मलिक के इस रिकॉर्ड को आज तक किसी कांग्रेस प्रत्याशी ने पार नहीं किया है, यहां तक की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भी इस रिकॉर्ड के करीब नहीं पहुंच पाए। वहीं अन्य राजनीतिक दलों की बात करें तो जनता पार्टी के नाम ओवरऑल 80.95 प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड है, जोकि 1977 में प्रत्याशी मुखत्यार सिंह ने बनाया था।

40 सालों पुराना रिकॉर्ड कांग्रेस के दिग्गज भी नहीं तोड़ पाए

कांग्रेस के लिये केवल धर्मपाल मलिक और जितेंद्र सिंह मलिक ही ऐसे प्रत्याशी हुए हैं, जिन्होंने 40 प्रतिशत से अधिक मतदान हासिल किया था। इसमें भी धर्मपाल मलिक का नाम दो बार आता है। जिन्होंने एक बार 1984 में तो दूसरी बार 1991 में 40 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त किए। वहीं जितेंद्र मलिक ने 2009 के चुनावों में 47.56 प्रतिशत मत हासिल किए थे। 1984 में 48.54 प्रतिशत मतदान प्राप्त करने वाले धर्मपाल मलिक से आज तक किसी भी कांग्रेस प्रत्याशी का मत प्रतिशत अधिक नहीं हुआ है। यहां तक की 2019 में सोनीपत से

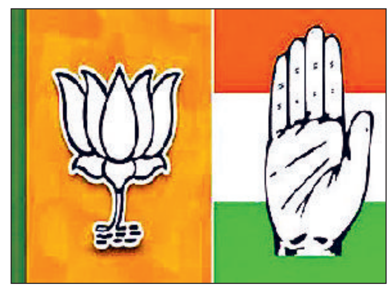

लोकसभा चुनाव लड़ने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी केवल 37.43 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर पाए थे।

सांगवान का रिकॉर्ड

भाजपा के लिये किशन सिंह सांगवान का रिकॉर्ड आज तक कायम है। 1998 में लोकदल की टिकट पर सांसद बने किशन सिंह सांगवान को सरकार गिरने पर लोकदल की ओर से टिकट नहीं मिली थी। जिसके बाद 1999 में वे भाजपा की टिकट पर मैदान में आ गए थे। उस समय सांगवान के पक्ष में ऐसी लहर चली, जिसकी वजह से सांगवान ने 69.83 प्रतिशत मत अपने पक्ष में किए। जोकि सोनीपत लोकसभा के इतिहास में दूसरा सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। कमाल की बात ये है कि उस समय लोगों ने पार्टी को प्राथमिकता ना देते हुए सांगवान को भावनात्मक रूप से सहयोग करने की इच्छा में उनके पक्ष में मतदान किया था। जिसके कारण सांगवान ने सोनीपत के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी, जोकि 2 लाख 66 हजार 138 मतों की थी। इसके अलावा रमेश कौशिक ने 2019 में भाजपा के लिये 52.03 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे, जोकि भाजपा के लिये दूसरा सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।

विजेता व मतदान प्रतिशत

साल	विजेता	मतदान %	उपविजेत	मतदान %
1977	जनता पार्टी	80.95	कांग्रेस	15.56
1980	जनता पार्टी (एस)	54.89	कांग्रेस (आई)	20.97
1984	कांग्रेस	48.54	लोकदल	47.95
1989	जनता दल	50.95	कांग्रेस	39.21
1991	कांग्रेस	42.08	जनता पार्टी	34.46
1996	आजाद	33.07	समता पार्टी	26
1998	लोकदल	41.94	हरियाणा विकास पार्टी	22.1
1999	भाजपा	69.83	कांग्रेस	29.17
2004	भाजपा	31.77	कांग्रेस	30.7
2009	कांग्रेस	47.56	भाजपा	24.92
2014	भाजपा	35.19	कांग्रेस	27.35
2019	भाजपा	52.03	कांग्रेस	37.43

नोट : उपरोक्त में कुल मतदान में से राजनीतिक दल के पक्ष में हुए मतदान प्रतिशत का आंकड़ा दिया गया है।

1977 के तीन रिकॉर्ड आज तक कायम

वर्ष 1977 के पहले लोकसभा चुनावों में दो रिकॉर्ड बने थे, जोकि आज तक कायम हैं। पहला रिकॉर्ड तो किसी एक प्रत्याशी द्वारा अपने पक्ष में प्राप्त मतों के प्रतिशत का है, जोकि जनता पार्टी के मुखत्यार सिंह ने 80.95 प्रतिशत मत प्राप्त कर कायम किया था। दूसरा रिकॉर्ड सबसे बड़ी जीत का है, मुखत्यार सिंह ने अपनी प्रतिद्वंदी कांग्रेस की सुभाषिनी को 2 लाख 80 हजार 223 मतों से हराया था। वहीं तीसरा रिकॉर्ड कुल मतदान प्रतिशत का है। लोकसभा सीट के इतिहास में आज तक 1977 से अधिक वोटिंग नहीं हुई है। 1977 में कुल 72.72 प्रतिशत मतदान हुआ था, इसके बाद से केवल 2019 में कुल मतदान प्रतिशत का आंकड़ा 71.03 तक पहुंच पाया था। 47 सालों से सबसे अधिक मतदान, एक पार्टी के पक्ष में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत और सबसे बड़ी जीत के तीन रिकॉर्ड कायम है।

खबर संक्षेप

क्रेटा में आए चोर कार उड़ा ले गए

सोनीपत। सेक्टर-12 से चोर मुक्केबाज की कार चोरी कर ले गए। सीसीटीवी में दिख रही वारदात में क्रेटा गाड़ी की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगाकर आए चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पानीपत के गांव इसराना फिलहाल सेक्टर-12 निवासी सुमित ने पुलिस को बताया कि वह लिटिल एंजेल अकादमी में मुक्केबाजी का अभ्यास करते हैं। उन्होंने रात को सेक्टर-12 स्थित मकान के बाहर अपनी कार खड़ी की थी। सुबह जब उठे तो कार वहां नहीं मिली। सीसीटीवी की जांच की तो देखा कि क्रेटा गाड़ी में आए चोर उनकी कार का शीशा तोडकर चोरी कर ले गए। क्रेटा गाड़ी की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी होने के कारण वह नंबर नहीं देख सके।

ककरोई में दंपति से मारपीट, केस दर्ज

सोनीपत। गांव ककरोई के खेत में दंपती को पिता-पुत्रों ने पीटकर घायल कर दिया। ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि वह गांव के ही आनंद की जमीन पट्टे पर लेकर खेती करते हैं। उन्होंने घिया की सब्जी उगा रखी हैं। वह अपनी पत्नी सविता के साथ खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के व्यक्ति ने बेटों के साथ आकर दोनों पर हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के किसान आए तो तीनों उन्हें जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

सिसाना में खेतों से सामान चोरी

खरखौदा सिसाना के किसान के खेत में बने कमरे से सामान चोरी हो गया। किसान ने अपने खेत के पड़ोसी पर ही सामान को चोरी करने का आरोप लगाया है और पुलिस को इस आशय की शिकायत दी है। जिस पर खरखौदा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सिसाना के रहने वाले किसान नरेश का कहना है कि उसने अपने खेत में कृषि उपकरण रखने के लिए एक कमरा बनाया हुआ है, जहां पर काफी सामान रखा हुआ है। नरेश का कहना है कि वह जब शनिवार के अपने खेत में बने कमरे में पहुंचा तो पाया कि हेरो का सामान, ढ़ाई किले की लम्बाई की बिजली की तार, ट्यूबवेल वाल्व, दो फलंच वाल्व की टी, प्लास्टिक का नल, सोलर की तार व अन्य सामान भी चोरी कर लिया। नरेश ने मामले की शिकायत पुलिस के देते हुए पड़ोसी किसान पर ही सामान चुराने का आरोप लगाया है, उसका कहना है कि पड़ोसी ही उसे उसका ट्यूबवेल नहीं चलने देने की धमकी भी दे रहा है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहालगढ़ के संस्कृत स्कूल में युवक के सिर पर हथौड़ा मारकर हत्या

स्कूल चौकीदार व उसकी पत्नी पर केस दर्ज, वारदात के बाद से दोनों फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ पत्नी की हत्या के आरोप में सुनाई गई थी उम्रकैद की सजा, जमानत पर आया हुआ था बाहर

■ रात को स्कूल परिसर में ही चौकीदार के साथ बैठा था युवक, सुबह स्कूल समिति सदस्यों ने देखा शव

गांव बहालगढ़ स्थित संस्कृत स्कूल के परिसर में युवक की सिर में हथौड़ा से वार कर हत्या कर दी गई। वह रात को स्कूल परिसर में ही चौकीदार के साथ बैठा था। सुबह स्कूल समिति सदस्य ने शव पड़ा देख परिजनों को अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस को अवगत कराया गया। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया, जहां से मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के चलते खानपुर भेजा गया। मृतक को अपनी पत्नी की हत्या करने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अब वह जमानत पर आया था। पुलिस ने चौकीदार व उसकी पत्नी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। गांव लिवासपुर निवासी राकेश ने बहालगढ़ थाना पुलिस को बताया कि उनका छोटा योगेश उर्फ लालू (33) शनिवार रात को घर से बाहर गया था। वह गांव बहालगढ़ स्थित संस्कृत स्कूल के पास चौकीदार के साथ देखा गया था। बताया गया है कि रात को उन्होंने शराब पी थी। रविवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे समिति सदस्य स्कूल की तरफ गए तो उन्होंने योगेश का शव परिसर के अंदर पड़ा देखा था। उन्होंने उनके चाचा दयानंद को मामले से अवगत कराया था। उनके चाचा ने बताया था कि स्कूल के चौकीदार मनोज व उसकी पत्नी ने योगेश की हथौड़े से हमला कर हत्या कर दी है। जिस पर वह अपने चाचा के साथ सीधे स्कूल में चौकीदार मनोज व उसकी पत्नी सरिता के कमरे में गए थे। जहां पर उन्होंने कहा था कि हमने तेरे भाई योगेश उर्फ लालू से परेशान होकर उसकी हत्या कर दी है। वह रात को स्कूल के मुख्य गेट के रास्ते पर बैठा था। तभी हथौड़ा मारकर उन्होंने हत्या कर दी थी।

सोनीपत। घटनास्थल पर जांच करते पुलिसकर्मी। इनसेट में युवक का फाइल फोटो।

स्कूल परिसर की झाड़ियों में पड़ा मिला शव, हड़कंप

राकेश ने बताया कि जब वह स्कूल परिसर में गए तो भाई का शव रास्ते के साथ झाड़ियों में पडा था। उन्होंने पुलिस को अवगत कराया। सूचना के बाद बहालगढ़ थाना प्रभारी राजीव कुमार मौके पर पहुंचे। साथ ही एसीपी राई मुकेश जाखड़ भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाकर सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। जहां से उसे मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के चलते खानपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भिजवा दिया है। पुलिस ने राकेश के बयान पर चौकीदार मनोज व उसकी पत्नी सरिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो दंपती भाग चुके थे।

मार्च 2014 में की थी पत्नी की हत्या

राकेश ने पुलिस को बताया कि वह तीन भाइयों में सबसे बड़े हैं। उनसे छोटे जयभगवान व योगेश थे। जयभगवान की 15 वर्ष पहले सड़क हादसे में मौत के बाद उनकी पत्नी बबीता की शादी योगेश से कर दी गई थी। योगेश ने मार्च, 2014 में रात को बबीता की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी थी। जिसमें उसे अप्रैल, 2017 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। वह फिलहाल उच्च न्यायालय से जमानत पर था।

परिजनों के बयान पर केस दर्ज

"लिवासपुर के युवक की बहालगढ़ के संस्कृत स्कूल में सिर में हथौड़ा मारकर हत्या की जानकारी मिली थी। मृतक के भाई ने स्कूल के चौकदार व उसकी पत्नी पर आरोप लगाया है। आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। गिरफ्तारी के बाद हत्या के कारणों का पता लग सकेगा। आरोपियों को जल्द पकड़ा जाएगा। युवक को पत्नी की हत्या में उम्रकैद की सजा हो चुकी है।
इंस्पेक्टर राजीव, थाना प्रभारी, बहालगढ़।

योगेश की मौत से दो बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

■ बड़े भाई की मौत के बाद भाभी से की थी शादी

सोनीपत। गांव लिवासपुर में एक दशक पहले अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने के दोषी योगेश की भी अब निर्ममता से हथौड़े से वार कर हत्या की गई है। भाई की मौत के बाद योगेश के साथ परिवार ने जिस बच्चे की परवरिश के लिए बबीता की शादी की थी अब उस बच्चे के दूसरे पिता के साथ ही बबीता को योगेश के नाम पर हुई बेटी के सिर से भी मां-बाप का साया उठ गया है।

पत्नी को मार डाला था

दस साल पहले की बात है, जब पानीपत के गांव बबैल निवासी मंजीत ने 27 मार्च, 2014 को राई थाना पुलिस को बताया था कि उसकी बहन बबीता की हत्या की गई थी। उसकी बहन का शव घर के अंदर मिला था। उसके सिर में तेजधार हथियार से हमला करने के निशान थे और उसके गले को भी कपड़े से दबाया गया था। मंजीत ने अपने बहनोई योगेश उर्फ लालू पर हत्या का आरोप लगाया था। तब उन्होंने बताया था कि उनकी बहन बबीता की शादी वर्ष 2004 में गांव लिवासपुर निवासी जयभगवान से हुई थी। जिससे उनकी बहन को एक बेटा हुआ था।

हादसे में भाई के मौत के बाद की थी शादी

बाद में सड़क हादसे में जयभगवान की मौत होने पर बबीता की शादी जयभगवान के छोटे भाई योगेश से कर दी थी, जिससे उनकी बहन को एक बेटी हुई थी।मंजीत ने आरोप लगाया था कि योगेश नशे का आदी है। वह नशे में उनकी बहन से मारपीट करता था और नशे के लिए पैसे की मांग करता था।

परिजनों के पहुंचने पर आरोपी भाग गए

योगेश के भाई राकेश ने पुलिस को बताया है कि वह भाई की हत्या का पता लगते ही आरोपित मनोज व उसकी पत्नी से मिला था। उन्होंने वारदात को अंजाम देने की बात कबूलने के साथ कहा था कि उन्हें परेशान करता था। हालांकि वह कारण नहीं पूछ पाए। भाई के शव के पास गए तो आरोपित भाग निकले।

उम्रकैद काट रहा था

उन्होंने योगेश को समझाया भी था। 26 मार्च, 2014 की रात को योगेश ने बबीता की हत्या कर दी थी। उसे दो दिन बाद गिरफ्तार किया गया था। योगेश ने कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया था। कुल्हाड़ी को भी बरामद कर लिया था। उसे 29 अप्रैल, 2017 को उम्रकैद की सजा हुई थी।

परिवार ने जयभगवान की मौत के बाद बबीता के छह साल के बेटे के लालन-पालन के लिए योगेश से दूसरी शादी की थी। बाद योगेश ने बबीता की हत्या कर दी थी। अब बबीता के बेटे के साथ ही योगेश के नाम की बेटी के सिर भी पिता का साया उठ गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वर्धमान सोसाइटी के बेसमेंट से अवैध शराब और बीयर की खेप बरामद

पुलिस ने दो तस्करों को दबोचा, दो मौके से भाग निकले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सीआईए-1 की टीम ने वर्धमान सोसाइटी के बेसमेंट से तस्करी के लिए जाने से पहले ही शराब व बीयर की 75 पेटी पकड़ी है। पकड़ी गई शराब को दिल्ली में तस्करी कर ले जाना था। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसके दो साथी भाग निकले। पुलिस ने आरोपितों को दो दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सीआईए-1 ने मारा छापा

सीआईए-1 में नियुक्त राहुल कुमार के नेतृत्व में टीम गश्त पर थी। टीम जब सेक्टर-12 के आउटर पर मौजूद थी तो सूचना मिली कि गांव लहराड़ा निवासी विक्रांत, विकास, अंकित और पुठी गांव का संत कुमार

■ पुलिस के अदालत में पेश कर आरोपितों को रिमांड पर लिया

उर्फ डिल्ला गांव लहराड़ा निवासी सोनू के लिए शराब की तस्करी करते है। वर्धमान सोसाइटी के फ्लैट के बेसमेंट में दो गाड़ी शराब से भरी खड़ी है। शराब को दूसरी गाडियों में डाल कर दिल्ली ले जाया जाएगा। सूचना के बाद टीम वर्धमान सोसाइटी में पहुंची। वहां बेसमेंट की पार्किंग में गाड़ी खड़ी दिखाई दी। टीम को देखकर दो युवक वहां से भाग गए।

टीम ने वहां दिल्ली नंबर की गाड़ियों में बैठे लहराड़ा के विक्रांत और विकास को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस को एक गाड़ी के अंदर 30 पेटी शराब और दूसरी गाड़ी के अंदर 40 पेटी शराब और पांच पेटी बीयर बरामद की। जिन पर सेल ऑर ऑनली हरियाणा लिखा था। उन्होंने बताया कि सोनू की शराब को तस्करी कर दिल्ली ले जा रहे थे। मौके से भागे युवकों की पहचान पुठी गांव के संत कुमार उर्फ डिल्ला और लहराड़ा के अंकित के रूप में हुई। पुलिस ने पांच आरोपितों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रांसपोर्टर की हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

गांव सबौली में कारोबार को लेकर ट्रांसपोर्टर की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित झज्जर के गांव लडरावन का रहने वाला मुकेश व राहुल है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड में पूछताछ के बाद पूरे तथ्यों से पर्दा उठाया जाएगा।

गांव सबौली निवासी हरीश ने 22 अप्रैल को कुंडली थाना पुलिस को बताया था कि उनके चाचा अमरजीत उर्फ मोनू (38) ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। वह 21 अप्रैल की रात को अपने चाचा के साथ स्कूटी पर सवार होकर खाना लेने दिल्ली के नरेला होटल पर जा रहे थे। सबौली-नरेला रोड पर गांव की फिरनी में पहुंचे तो इसी दौरान वहां कार में गांव का गोलू व आशीष उर्फ बाली, झज्जर के गांव लडरावण का मुकेश उर्फ सीटू तथा सीटू का दोस्त बैठे मिले थे। उन्होंने उन्हें रोक

लिया था। जिसके बाद प्रतिद्वंद्विता के चलते उनके चाचा से झगड़ा शुरू कर दिया था। वह अपने चाचा को लेकर चलने लगे तो पीछे से तीन फायर किए थे। जिसमें एक गोली चाचा को लगी थी। जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने चारों पर मुकदमा दर्ज कर लिया था।

बाद में पता लगा था कि दोनों ने एक ही कंपनी के माल की ढुलाई करते थे। जिसमें उनमें प्रतिस्पर्धा बढ़ गई थी। जिसके चलते ही रंजिश हो गई थी। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र की टीम ने अब मामले में मुकेश व उसके साथी राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

शमशेर की पीटकर हत्या करने वाला गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-12 बाईपास पर घूमने निकले व्यक्ति की पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित गांव फाजिलपुर निवासी टिंकू उर्फ कालू है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां उसे जेल भेज दिया।

ये था मामला

मूलरूप से गांव लाठ फिलहाल शहर के मॉडल टाउन निवासी शमशेर (48) सेक्टर-12 के निकट टी-प्वाइंट के पास चाय की दुकान चलाते थे। उन्होंने आठ माह पहले दुकान बंद कर दी थी। अब चाय की दुकान बंद कर अस्पताल में सेवा भाव से कार्य कर रहे थे। उनके बेटे दीपक ने पुलिस को बताया था कि उनके पिता 23 अप्रैल की दोपहर को दो बजे घर से घूमने की बात कहकर निकले थे।

दीपक का आरोप था कि शाम को उनकी मां रेखा ने उन्हें बताया था कि तुम्हारे पिता को चोट मारी गई हैं। वह सूचना मिलने पर पिता की चाय की दुकान पर पहुंचे थे। यहां पहुंचने पर उन्हें पता चला कि फाजिलपुर के कल्लू, कबीरपुर के मामू व संजय तथा एक अन्य ने उनके पिता को चोट मारी है। चिकित्सक ने उनके पिता को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में अब एसआई रमेश कुमार की टीम ने आरोपी टिंकू उर्फ कालू को गिरफ्तार किया है। उसने कहासुनी के चलते वारदात को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

छुट्टियों के मिट्टी के खिलौने बनाने का देते थे काम

पहले टीचर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को गिनती सिखाने के लिए 100 गारा मिट्टी की गोलियां बनाने का काम देते थे। इससे बच्चों को गिनती का अभ्यास हो जाता था। साथ ही कुत्ते, घोड़े और हाथी आदि बनाने के लिए कहा जाता था। गर्मियों में कॉपियों में कलम से सुलेख लिखने का काम दिया जाता था।

बदल गया शिक्षा का स्वरूप, आज के विद्यार्थी नहीं जानते कलम और दवात

पहले ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

शिक्षा | राज कुमार नरवाल

पहले बचपन और तनाव का कोई संबंध नहीं था। बच्चे दिनभर हंसते, खेलते-कूदते और खिलखिलाते हुए दिखाई देते थे। उनको न होम वर्क की चिंता होती थी और न कपड़े गंदे होने का भय। क्योंकि आज से तीन दशक पहले तक प्रदेश में शिक्षा का स्वरूप ही अलग होता था। ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढ़ाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। उस समय जुराब, टाई, बेल्ट और जूते पहनने का कोई बंधन नहीं था। बच्चे बाथरूम चप्पल पहनकर ही स्कूल जाते थे। बच्चों की सुंदर लिखावट बनवाने के लिए तख्ती का प्रयोग किया जाता था। टीचर उस तख्ती पर पेंसिल के साथ टुटकने या कच्चे अक्षर निकालते थे। टीचर द्वारा लिखे हुए उन टूटकनों पर बच्चे कलम से लिखते थे। बच्चों से इस तरह लिखने का अभ्यास करवाया जाता था। काले रंग की एक पुड़िया आती थी। बच्चे एक दवात में थोड़ा पानी डालते थे और उसमें उस पुड़िया को मिला लेते थे। इस तरह काली स्याही तैयार हो जाती थी। उसके बाद बच्चे कलम से दवात में से स्याही लेते थे और तख्ती पर लिखते थे। गणित के सवाल निकालने के लिए बच्चे पत्थर की स्लेट का प्रयोग करते थे। कुछ बच्चे गत्ते की स्लेट भी ले आते थे। लेकिन पत्थर की स्लेट ही गणित के सवाल निकालने के लिए कारगर होती थी। इससे कागज की बचत होती थी। इस स्लेट पर बत्ती के साथ लिखा जाता था। बच्चे बत्ती से स्लेट पर बार बार अभ्यास करते थे। जिससे सवाल व गणित के फार्मूले आसानी से याद किए जाते थे। स्लेट व तख्ती होने की वजह से माता पिता का कापियों का खर्च बच जाता था।

लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट से पढ़ना हुआ आसान

हरियाणा प्रदेश ने बीते कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। नई शिक्षा पद्धति के जहां कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। वहीं शिक्षा में बहुत सुधार भी हुआ है। पहले ज्यादातर बच्चों के पास डिक्शनरी नहीं होती थी। किसी शब्द का हिंदी व अंग्रेजी अर्थ जानना होता तो बच्चों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बीच में स्कूल की छुट्टी आ जाती तो स्कूल खुलने पर ही टीचर से उसका अर्थ जान पाते थे। लेकिन अब इंटरनेट का जमाना आ जाने के बाद तुरंत बच्चे अपने मोबाइल फोन पर किसी भी समस्या का समाधान तुरंत ढूंढ लेते हैं। हर तरह के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र व अन्य विषयों के फार्मूले या जानकारी झट से मोबाइल पर मिल जाती है। अब तो घर बैठकर भी पढाई की जा सकती है। कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हो जाने पर भी बच्चे अध्यापकों के संपर्क में रहे और ऑन लाइन क्लास चलती रही। लेकिन पहले ऐसा संभव नहीं था। अखबार, इंटरनेट, टेलिविजन और मोबाइल फोन आ जाने के बाद बच्चे बहुत कुछ सीख रहे हैं। मोबाइल फोन की वजह से पूरी दुनिया विद्यार्थियों की मुट्ठी में आ गई है। आज के बच्चे पहले के बच्चों से अधिक बुद्धिमान हैं और अंक भी अधिक हासिल कर रहे हैं। लेकिन मोबाइल फोन व इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट से जहां बहुत कुछ सीखा जा रहा है, वहीं बच्चे कुछ गलत चीजें भी देख रहे हैं, जिसका नुकसान भी हो रहा है।

काली स्याही से लिखी तख्ती को पानी से बच्चे खुद धोते थे। जब लिखे गए अक्षर तख्ती पर रह जाते तो उस तख्ती को पोतने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किया जाता था। बच्चे खुद ही तख्ती पोतते थे। इससे उनमें खुद का काम खुद करने की आदत पैदा होती थी। अध्यापक बच्चों को गिनती व पहाड़े याद करवाने के लिए ऊंची आवाज में अभ्यास करवाते थे। स्कूल में बच्चे जब ऊंची आवाज में गिनती या पहाड़े याद करते थे तो दूर दूर तक पता चलता था कि स्कूल में जोर शोर से पढ़ाई चल रही है। ज्यादातर बच्चे अगली क्लास के पास हुए बच्चों से सेकेंड हैंड (पुरानी) किताबें खरीद लेते थे। पेंट, शर्ट, टाई, बैल्ट, बैग और भारी भरकम किताबों का खर्च उस समय नहीं होता था। अभिभावकों को मोटी फीस भी नहीं देनी पड़ती थी। उस जमाने में न स्कूल बस का किराया देना होता था और न ही माता पिता को लंच बॉक्स पैक करने का झंझट था। बच्चे आधी छुट्टी में घर आकर ही दोपहर का खाना खा जाते थे और पशुओं को बाहर भीतर बांधने व पशुओं को पानी पिलाने आदि के छोटे मोटे काम भी कर जाते थे। स्कूल के लिए बच्चों को बैग की जगह पर यूरिया व डीएपी खाद के प्लास्टिक के कट्टे का एक झोला सीलकर दे दिया जाता था व एक खाद का कट्टा उसमें और डाल दिया जाता था। ताकि वह क्लास में बैठने के लिए जमीन पर बिछाने के काम आ जाए। यह झोला जल्दी फटता नहीं था और वर्षों तक चलता था। उस समय बच्चों पर होम वर्क का दबाव नहीं होता था। अध्यापक ज्यादातर काम स्कूल में ही याद करवा देते थे। घर पर करने के लिए बच्चों को कम ही काम दिया जाता था। स्कूलों में शिक्षक खेलों पर विशेष ध्यान देते थे। बच्चों को परिश्रम करने की ट्रेनिंग विद्यालय में पढाई के दौरान ही दे दी जाती थी। जब भी विद्यालय में निर्माण चलता तो ईंट ढोने का काम भी बच्चों से करवाया जाता था। पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी।

बहुत खुला होता था स्कूलों का वातावरण

पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी। ताकि बच्चे आलसी न बनें। बच्चे तनाव मुक्त व परिश्रमी होते थे, तो उनका स्वास्थ्य भी सही रहता था। उस जमाने में बच्चे हृटपुष्ट होते थे। स्कूलों का वातावरण भी बहुत खुला व हवादार होता था। स्कूलों में तरह तरह के पेड़ पौधे लगे होते थे। इनमें कई फलदार पेड़ भी होते थे। बच्चे इन पेड़ों से मौसमी फल खाते थे। उन दिनों सरकारी स्कूलों के पास स्थित खेतों में भी बाग होते थे। इन बागों में भी बच्चों को खाने के लिए फल मिलते थे। ईंख के गन्ने और गुड़ बनाने के कोल्हू भी विद्यालयों के आस पास ही मिले जाते थे।

बच्चों पर तनाव और अभिभावकों पर बढ़ गया खर्च

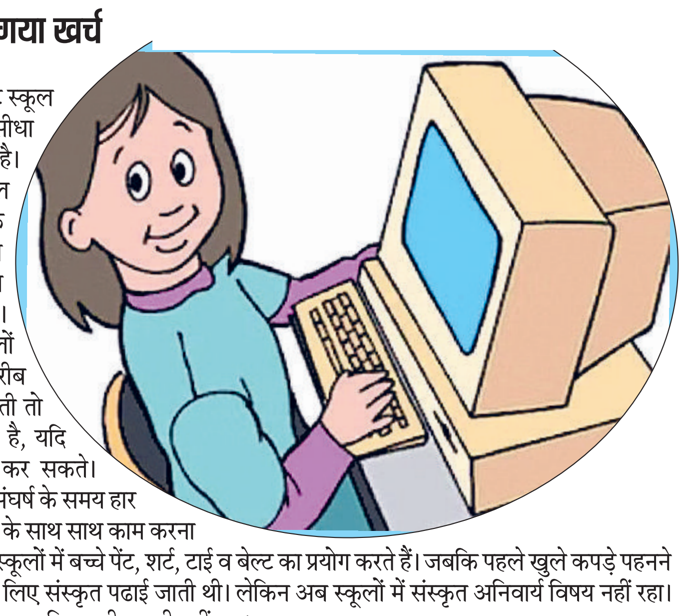

जब से शिक्षा का निजीकरण हुआ है। तब से प्रत्येक गांव में प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं। प्राइवेट स्कूलों की आपस में चल रही प्रतिस्पर्धा का सीधा असर बच्चों के मन मस्तिष्क व अभिभावकों की जेब पर पड़ा है। स्कूल प्रबंधक महंगी किताबें खरीदते हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बच्चों के लिए वही किताबें खरीदकर लाते हैं जिन पर पुस्तक विक्रेता या पब्लिसर अधिक छूट देता है। ज्यादा सिलेबस होगा तो पुस्तकें भी अधिक होंगी। पुस्तक अधिक होंगी तो कमाई भी ज्यादा होगी। जिस वजह से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ता जा रहा है। बचपन भारी बस्तों के बोझ के तले दब गया है। पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान सिखाया जाता था। कम खर्च में गरीब आदमी भी अपने बच्चों को पढ़ा सकता था। यदि नौकरी न मिलती तो बच्चे परिश्रम करके कमा खा सकते थे। अब पढाई ऐसी हो गई है, यदि नौकरी न मिले तो बच्चे शारीरिक श्रम वाला काम भी नहीं कर सकते। आरामदायक जीवन शैली की वजह से वर्तमान में युवक युवतियां संघर्ष के समय हार जाते हैं। बहुत तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। पहले स्कूलों में पढ़ाई के साथ साथ काम करना और बड़े बूढों की सेवा करना सिखाया जाता था। वर्तमान समय में स्कूलों में बच्चे पेंट, शर्ट, टाई व बेल्ट का प्रयोग करते हैं। जबकि पहले खुले कपड़े पहनने का रिवाज था। वेद, पुराणों और नैतिक शिक्षा की बात सिखाने के लिए संस्कृत पढाई जाती थी। लेकिन अब स्कूलों में संस्कृत अनिवार्य विषय नहीं रहा। बच्चों को कला सिखाने के लिए ड्राइंग पढाई जाती थी। लेकिन अब यह विषय भी जरूरी नहीं रहा।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

यो कैसा खेल दिखाया

यो कैसा खेल दिखाया सै, यो मैं जाणू या वो जाणै ।
नर नारी जगत रचाया सै, यो जग जाणै या वो जाणै ।।टेक ।।

खुद नै आकाश बणाया सै, आकाश म्ह स्वयं समाया सै ।
फिर पाणी पवन रचाया सै, अग्नी का गेड़ा लाया सै ।
धरती आधार बणाया सै, खुद धरण रूप धर आया सै ।
यह माया खेल रचाया सै, भगत जाणताया वो जाणै।

पाँचाँ नै गेड़ा लाया सै ,फिर चोला एक बणाया सै ।
उस चोले को अप णाया सै , तूँ चोले बीच समाया सै ।
पर नजर कदे ना आया सै, यो मोह का कुंडा लाया सै ।
यो दल दल लोभ बणाया सै, मैं धसता जाता वो जाणै।

हाँगा पूरा मनै ला लिया, के अहं डोब दे चोडै ना।
तृष्णा पड़गी मेरे गेल्यां, के पागल मनवा दौड़े ना।
मृगतृष्णा मह मनुवा फस ग्या, वो भाज्या जावैबोहडै ना।
वो नेह प्रीत नै तोड़ै ना, मैं ना जाणू वो खुद जाणै।

जीव को कहते अंश तेरा, क्यूँ जीव रूप मैं आया सूँ।
पत्नी पुत्र पोत्र पोत्री, क्यूँ ममता बीच फ़साया सूँ।
अपणे तन तैं न्यारा कर कें, क्यूँ भँवरी बीच धकाया सूँ।
मैं जर तैं नहीं अघाया सूँ, मैं खुद ना जाणू वो जाणै।

चौथापण नासोधी आई, क्यूँ मरता फिरूँतिसाया सूँ।
रै न्यू करले तूँ न्यू करले, लोगाँ नै खूब भकाया सूँ।
इत सतरह बीच फसा कें प्रभु ,जग कोठे मैं भरमाया सूँ।
इत खाली हाथा आया सूँ , यह मैं जाणूअर तूँ जाणै।

पूजा और चढ़ावा कोनीं, मैं हिम्मत कर दर आया सूँ।
प्रभु मेरा इत कुछ बी ना सै, मैं पेट दिखाणे आया सूँ।
जग झंझट को छोड़ छाड़ अब, मुंशीरामशरण आया सूँ।
बन्धु मैं अश्रु जल ल्याया सूँ, अब गुरु जाणै या वो जाणै।

गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

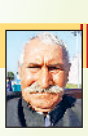

जय श्री राम

सिया राम, सिया राम, सिया राम,
नाम लिए मन में धार, हो जाएगा तेरा उद्धार
सच्चे दिल से राम पुकार, राम है सबके सृजनहार
अपना मन लिए थाम, सिया राम, सिया राम

विष्णु जी के ये अवतार आये मृत्युलोक देहधार
भगतों पर करते उपकार दुष्टों का करे संहार
दिन और रात आठों याम सिया राम, सिया राम

मर्यादा के रचनाकार, अपने करो शुद्ध विचार
जीवन में आये निखार, सदबुद्धि और शाकाहार
धर्म सनातन का पैगाम, सिया राम, सिया राम

मंगल जीवन अहिल्या नार, सबरी पर बरसया प्यार
ऋषि हवन के सूत्रधार, दशानन को दिया मार
विभीषण सौंपा राज तमाम, सिया राम, सिया राम ,

पाँच सौ वर्ष का इन्तजार, अब अयोध्या दई सिंगार
भव्य मंदिर किया तैयार, ये गये विरोधी सारे हार
बना अयोध्या सुन्दर धाम सिया राम, सिया राम,

मात पिता के आज्ञाकार, नक्शे क़दम चले संसार
यही छवि है पुजनहार, महेन्द्र सिंह करें मनुहार
दोनों वक्त सुबह शाम सिया राम, सिया राम

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | 100 साल से एक ही परिवार कर रहा सिलाई, दो साल की अग्रिम बुकिंग, 2037 में आएगा नंबर

माता बाला सुंदरी को वस्त्र पहनाने के लिए वर्षों का इंतजार

बुकिंग
वस्त्र सिलने वाले दर्जी पर करानी पड़ती है बुकिंग

श्रद्धालु
नवरात्रि के दिनों में लगता है श्रद्धालुओं का तांता

दर्शन
नंबरदार सोराज को माता ने सपने में दिए दर्शन

मंदिर | सुभाष शर्मा

मुलाना का माता बाला सुंदरी मंदिर आस्था का प्रतीक है। मंदिर के बारे में विशेष बात है कि यहां माता रानी के वस्त्रों को श्रद्धालु हर साल बारी के हिसाब से चढ़ाते हैं। मंदिर में माता रानी को वस्त्र पहनाने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। हर वर्ष श्रद्धालु माता बाला सुंदरी के लिए वस्त्र पहनाने के लिए अपना नाम अंकित कराते हैं। बारी के अनुसार उन का नंबर आता है। माता को नए वस्त्र पहनाने के लिए 12 साल की अग्रिम बुकिंग चल रही है। 2024 के चैत्र महीने के नवरात्रों में यहां के रहने वाले एक परिवार ने इस सेवा को अदा किया है। एनएच 344 के नजदीक बने माता बाला सुंदरी मंदिर में नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। सैंकड़ों की संख्या में आकर श्रद्धालु माता के दर पर नतमस्तक होकर और मन्नत मांगते हैं।

प्रचलित है दंत कथा

एक दंत कथा प्रचलित है कि एक बार गांव में प्लेग की भयानक बीमारी फ़ैल गई थी। लोग इस बीमारी से भयग्रस्त थे। प्लेग की चपेट में आने से गांव में हर रोज मौते हो रही थी। कहते हैं कि गांव के लोग दाह संस्कार कर के लौटते ही थे कि कोई न कोई व्यक्ति तब तक गांव में मृत अवस्था में मिलता था। पूरे गांव में प्लेग की भयकंर बीमारी ने लोगो में भय पैदा कर रखा था। तभी इसी दौरान गांव के साथ लगती मारकंडा नदी में से एक चूड़ियां बेचने वाला गुजर रहा था तो रास्ते में उसे एक कन्या दिखाई दी। वह कन्या दौड़ कर उस चूड़ी बेचने वाले के समीप आई और उस कन्या ने उस से चूड़ी पहनाने की जिद की। चूड़ी बेचने वाले व्यक्ति ने उसकी दोनों बाजुओं में चूड़ी पहना दी तभी उस कन्या ने तीसरी बाजु भी आगे कर दी। इस घटना से चूड़ी बेचने वाला घबरा गया तथा वहां से आकर उस ने यह बात गांव के लोगों को बताई। लोगों ने उसे समझाया कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। कन्या के रूप में दिए दर्शन मां भगवती का अवतार है। गांव में मां भगवती का आगमन हो चुका है। अब शीघ्र ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि उसी रात मां बाला सुंदरी ने गांव के नंबरदार के स्वप्न में आकर एक स्थान दिखाते हुए कहा कि इस स्थान पर 5 ईटें रख कर उस के भवन का निर्माण करवाया जाए। अगली सुबह ऐसा करते ही गांव से प्लेग की भयंकर बीमारी ख़त्म हो गई।

वर्ष 1426 में हुआ था मंदिर का निर्माण

कुछ वर्ष पहले वर्ष माता बाला सुंदरी मंदिर का रिकॉर्ड राजस्थान के भाटों के यहां से प्राप्त हुआ है। भाटों के अनुसार वह मुलाना में क्षत्रीय समाज के यहां साल में एक बार जाते हैं।भाटों ने मंदिर कमेटी को बताया कि कस्बे को 1422 में बसाया गया था। मां बाला सुंदरी मंदिर का निर्माण सन 1426 में कराया गया था। 1425 में गांव के नंबरदार सोराज सिंह के सपने में माता ने दर्शन देकर मंदिर का निर्माण कराने व साथ ही ताल की खुदाई कराने की बात कही गई थी। ऐसी लिखित बातें भाटो के दस्तावेजों में दर्ज है।

'ताऊ नै पाछै हटा कै' शिखर पर पहुंचे रामकेश जीवनपुरिया

◆ शुरू में पिता ने जताया विरोध आज सबसे बड़े फैन ◆ पत्नी ने दिया भरपूर सहयोग करती हैं मोटिवेट ◆ सामाजिक सरोकार से जुड़े लिखे गीतों ने मचाई धूम

कलाकार | शशि कांत चौहान

कहते हैं कि कलम में बहुत ताकत होती है। आप जो भी लिखते हैं उसका समाज का बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है। फिर वही समाज आपको सिर आंखों पर बिठा लेता है। ऐसा ही कुछ रामकेश जीवनपुरिया के साथ हुआ। उन्होंने हट जा ताऊ पाछै नै ऐसा लिखा कि इस गीत ने उनको शिखर पर पहुंचा दिया।यह उनका पहला गीत था और इसे आवाज विकास कुमार ने दी थी यह इतना बड़ा हिट हुआ कि आज भी हर कार्यक्रम में डीजे पर खूब बजाता है और लोग इसका खूब आनंद उठाते हैं।

बचपन से था शौक

किसान परिवार में 10 अगस्त 1981 को जन्मे रामकेश के पिता श्री राम निवास दसवीं पास हैं और माता श्रीमती इंद्रा देवी गृहिणी हैं। रामकेश की प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई। हाई स्कूल के लिए ने पड़ोस के गांव जाना पड़ा। क्योंकि गीत संगीत में रुचि बचपन से ही थी इसीलिए इन्होंने ग्रेजुएशन संगीत में की। ऐसे हुई शुरुआत रामकेश ने जब एक दिन रणबीर बड़वासनिया को स्टेज पर रागनी करते हुए देखा तो वहीं से उन्हें दिल में अपना गुरु मान लिया और लिखना शुरू किया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई मंच नहीं मिला था इसके बाद रणबीर बड़वासनिया से मुलाकात हुई और इसके बाद उन्होंने विधिवत गुरु धारण किया। इसी दौरान जब उनके दादा गुरु जगन्नाथ समचाना वाले ने उनके गीत देखें तो उन्हें अपने

पास बुलाया और तमाम बारीकियां समझाई।

हट जा ताऊ पाछै नै पहला हिट

जब रामकेश का पहला गीत हट जा ताऊ पाछै नै रिलीज हुआ तो रामकेश जीवनपुरिया को नई पहचान मिली और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके साथ ही एक के बाद एक बड़े हिट गीत आए, जिनमें सपने में रात में आई, सारा रोला पतली कमर का जैसे गीत शामिल हैं। इसके बाद सतीश सहगल जो म्यूजिक कंपोजर भी हैं उन्होंने रामकेश से गीत गाना शुरू करवाया। 'पहले आली हवा रही ना पहले बाणा' गायक के तौर पर उनका पहला गीत था।

पीएम ने की तारीफ

रामकेश ने पहले ही गीत के बाद गायन में भी धूम मचा दी यह गीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुना और उनको बुलवाया उन्हें सम्मानित भी किया इसके बाद 'बचपन' 'मैं भारत बोल रहा हूं' 'कितना बदल देश' 'कलयुग' और 'संस्कार' भी सोशल मीडिया पर खूब देखे गए।

सम्मान व पुरस्कार

हरियाणवी जन-मानसको उद्वेलित करने वाले रामकेश जीवनपुरिया को अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं। इसी सम्मान श्रृंखला की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ते हुए हिन्दी साहित्य प्रेरक संस्था जीन्द भी अ मिसरी जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया।

फिल्में लिखी, अभिनय किया

रामकेश जीवनपुरिया ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'छप्पर पाड़ कै' 'किसान बिजनेसमैन' 'प्रेरणा' 'सफर म्हैं हमसफर' और लख्मीचंद हरियाणवी जैसी फिल्में बनाई खास बात यह है कि यह फिल्में उन्होंने खुद ही लिखी और अभिनय भी किया उनके अभिनय को खूब सरहाना भी मिली। रामकेश जीवनपुरिया के गीत और फिल्म लेखन में सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा फोकस रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने जरूर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए गीत लिखे थे लेकिन बाद में उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर फोकस किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति को भी अपने लेखन में खास तवज्जो दी। रामकेश कहते हैं कि आजकल लेखक पब्लिक की पसंद को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलता है तो निश्चित ही लेखन के स्तर में गिरावट आती है।

परिवार का भरपूर सहयोग

परिवार का भरपूर सहयोग रामकेश बताते हैं कि उनके परिवार में गीत संगीत का कोई माहौल नहीं था इसलिए शुरुआत में उनके पिता ने इस क्षेत्र में जाने का उनका विरोध किया था लेकिन जब उन्होंने उनके गीत और फिल्में देखी तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाया और आज वे उनके सबसे बड़े फैन हैं। रामकेश को उनकी पत्नी से भी पूरा सहयोग मिला और उन्होंने हर कदम पर साथ दिया। अगर कभी उन्हें निराशा हुई तो उनको मोटिवेट किया।

खबर संक्षेप

कानून में 6 महीने की कैद का करें प्रावधान

नई दिल्ली। हमें तत्काल एक ऐसे कानून की आवश्यकता है जो बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधानों के उल्लंघन पर शिक्षा मंत्री के लिए 6 महीने की कैद का प्रावधान करे। दुर्भाग्य से, वर्तमान में इस कानून में किसी भी प्राधिकरण की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई है। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों के अधिकारों को लेकर लड़ने वाले सामाजिक न्यायविद अशोक अग्रवाल ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा की। वहीं, उन्होंने एक दिन पहले कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम स्कूलों के 8वी क्लास तक पढ़ने वाले 18 लाख विद्यार्थियों को 2024-25 शैक्षणिक सत्र में आज तक भी पुस्तकें नही मिली।

मंदिर में श्रद्धालुओं की चेन चुराने वाली महिला पकड़ी

नई दिल्ली। साउथ डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ ने एक शातिर चोरनी को गिरफ्तार किया है। इस महिला के निशाने पर मंदिर में आने वाली महिलाएं होती थी। बड़ी ही सफाई से यह उनकी सोने की चेन उड़ा लेती थी। हाल ही में इसने एक महिला की साढ़े तीन लाख कीमत की चेन साफ की थी। आरोपी महिला की निशानदेही पर चुरायी गई सोने की चेन बरामद हो गई है। डीसीपी साउथ अंकित चौहान के अनुसार ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी थीं, जिनमें मंदिर गई महिलाओं की सोने की चेन उड़ाई गई थी। ऐसे मामलों की जांच के लिए स्पेशल स्टाफ की टीम को लगाया गया था।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जारी किए निर्देश, अभिभावकों को राहत

बालवाटिका में दाखिले के लिए नहीं देना होगा शुल्क

अब एडमिशन के लिए किसी भी बच्चे को मना नहीं किया जाएगा

निर्धारित संख्या पूरी होने के बाद भी राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों में दाखिलों से इंकार नहीं कर सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों में अब बालवाटिका कक्षा में बच्चों का दाखिला करवाने पर फीस नहीं देनी होगी। इतना ही नहीं अगर विद्यालय में निर्धारित संख्या में विद्यार्थियों के दाखिले हो भी गए हैं, इसके बावजूद आपको दाखिले के लिये मना नहीं किया जा सकता। इस बारे में बकायदा शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। विद्यालय शिक्षा निदेशालय द्वारा निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि कोई भी स्कूल संचालक किसी बच्चे का दाखिला लेने से इंकार नहीं कर सकता। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों में स्कूल मुखियाओं की तरफ से अपने स्तर पर ही बालवाटिका कक्षाओं में विद्यार्थियों की संख्या निर्धारित की गई है। ऐसे में निर्धारित संख्या पूरी होने के बाद अन्य विद्यार्थियों का दाखिला लेने से इनकार किया जा रहा है। जिसे देखते हुए विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निर्देश जारी किए हैं कि किसी भी बच्चे का दाखिला लेने से इंकार न किया जाए। यदि कोई स्कूल संचालक किसी बच्चे का दाखिला करने से इंकार करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस संबंध में विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी, उप जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारियों के नाम पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं। जिसमें कहा कि शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले मॉडल संस्कृति विद्यालयों के मुखियाओं को इस बारे में सख्त निर्देश दे कि बालवाटिका में दाखिले के लिए किसी भी बच्चे को मना नहीं किया जाए।

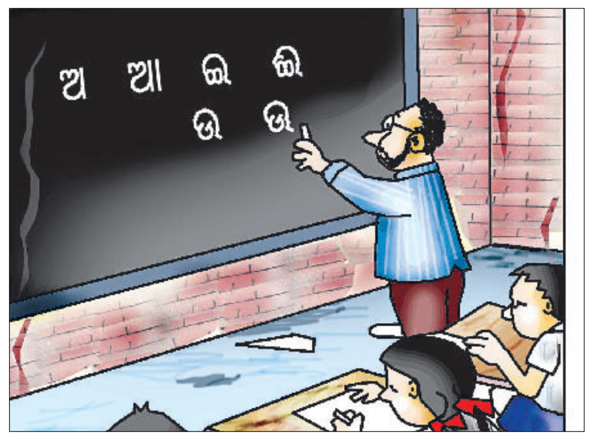

संख्या अधिक तो दोहरी पारी में चलाएं

शिक्षा निदेशालय ने कहा है कि यदि किसी स्कूल में विद्यार्थी संख्या के अनुसार कक्षा कक्ष नहीं है तो वह इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए। यहीं नहीं विद्यार्थी संख्या अधिक है तो स्कूल को दोहरी पारी में भी संचालित करें, ताकि बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार का व्यावधान न आए।

अवहेलना पर कार्रवाई

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की बालवाटिकाओं में अब दाखिले के लिए दाखिला शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं कोई स्कूल मुखिया किसी बच्चे को बाल वाटिका में दाखिले से इंकार नहीं कर सकेंगे। इसके लिए विद्यालय शिक्षा निदेशालय से निर्देश जारी किए हैं। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जएगी। *जितेंद्र छिक्कारा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत।*

टूटी सड़क दे रही हादसों को न्योता

- धतुरी वाली सड़क का निर्माण नही होता तो पीडब्ल्यूडी टूटी सड़क में पेंच रिपेयर करवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। धतुरी रोड पर सड़क टूटने के बाद उखड़े पड़े पत्थर।

गांव लड़सौली में जी टी रोड से धतुरी वाली सड़क का निर्माण नही होता तो पीडब्ल्यूडी टूटी सड़क में पेंच रिपेयर करवाने की ग्रामीणों ने मांग की है। ग्रामीण सुरेश, सतबीर, महेन्द्र, विकास ने बताया कि सड़क में कई जगह गहरे गड्ढे बने होने के कारण हादसे का भय रहता है। ग्रामीणों का कहना कि उन्हें लंबे समय से सड़क पुननिर्माण का आश्वाशन मिल रहा है लेकिन सड़क का निर्माण ही नही हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस सड़क मार्ग से काफी संख्या में वाहन चालक प्रतिदिन गुजरते है। जिससे हादसे का भय रहता है। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क का निर्माण नही होता, लोगों की सुविधा के लिए पेंच वर्क करवाया जाए। इस बारे में पीडब्ल्यूडी के जेई विकास ने बताया कि आचार संहिता खत्म होते ही टैंडर लगने के बाद सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। तक तक विभाग पेंच लगाने का काम कर रहा है। कुछ जगह पर पेंच वर्क करवाया गया है।

जमीनी विवाद में सगे भाई पर जानलेवा हमला किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गांव न्यात में जमीनी विवाद पर सगे भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। पहले ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की, जिससे वह बच गया। उसके बाद बंदूक निकालकर उस पर फायर किया, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। दो वर्ष पहले भी जानलेवा हमला किया गया था। सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया।

गांव न्यात के संदीप ने पुलिस को बताया कि वह खेती करता है। उसका बड़ा भाई शमशेर जमीन को लेकर झगड़ा करता रहता है। जुलाई 2022 में उस पर फायर करके जानलेवा हमला किया था। वह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और उसका भाई जमानत पर आया हुआ है। शनिवार को वह और उसकी पत्नी काम करने के लिए खेत में गया था। शमशेर उसके खेत में ट्रैक्टर से जोताई कर रहा था। शमशेर की पत्नी और दो अन्य व्यक्ति पेड़ के नीचे बैठे थे। वह और उसकी पत्नी शमशेर को रोकने के लिए उसके पास गए। उसके भाई ने उस पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। उसके बाद शमशेर को उसकी पत्नी ने बंदूक दी।

रोड हादसे में दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की मौत

दिल्ली। ईस्ट दिल्ली में हुए एक सड़क हादसे में दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की दर्दनाक मौत हो गई। वह जिले की क्राइम टीम से अटैच थे। पुलिस को इस घटना की सूचना लेडी हार्डिंग अस्पताल से मिली। बताया गया कि एक घायल को गंभीर हालत में यहां लाया गया है। बाद में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मूलरुप से केरल के रहने वाले थे। वह आर्शीवाद अपार्टमेंट आईपी एक्सटेंशन में रहते थे। उनका बेटा दुबई में रहता है। मृतक पुलिसकर्मी का नाम एनके पवित्रन बताया गया है। पुलिस ने पीड़ित परिजन को घटना की सूचना देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने हत्या के दोषी को शादी करने के लिए दो हफ्ते की पैरोल दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक व्यक्ति को अपनी सगाई और शादी में शामिल होने के लिए दो हफ्ते की पैरोल दी है। अदालत ने राहुल देव नाम के व्यक्ति को राहत देते हुए कहा कि उसे पहले भी पैरोल (29 जनवरी से पांच मार्च तक) दिया गया था और उसने समय पर (छह मार्च को) आत्मसमर्पण कर दिया था। न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने कहा कि तथ्यों एवं परिस्थितियों की संपूर्णता के आलोक में, मौजूदा याचिका स्वीकार की जाती है। याचिकाकर्ता को दो हफ्तों के लिए पैरोल दिया जाता है। देव को हत्या के अपराध और साक्ष्य गायब करने या झूठी सूचना देने के आरोप में दोषी करार देते हुए 2014 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उसने अदालत का रुख कर अपनी सगाई और शादी के लिए चार हफ्तों की पैरोल देने का अनुरोध किया था। विवाह समारोह का आयोजन यहां 30 अप्रैल को आर्य समाज मंदिर में किया गया है। वह अभी मंडोली जेल में बंद है। अदालत ने निर्देश दिया कि पैरोल की अवधि दोषी की रिहाई की तारीख से गिनी जाएगी और उसे पैरोल खत्म होने पर तुरंत जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर किया विचार-विमर्श

- छोटू राम आर्य कालेज में गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित प्रधान एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

छोटू राम आर्य महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023 -2024 की चौथी एवं अंतिम /"आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ/" की बैठक टीकाराम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान सुरेन्द्र सिंह दहिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। मीटिंग की शुरूआत डॉ. नरेश राठी द्वारा सभी सदस्यों के स्वागत उद्घोष से की गयी। बैठक की कार्यसूची में तृतीय बैठक के कार्यवृत की पुष्टि की गयी एवं सत्र 2023-2024 के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं कार्यकर्मो की जानकारी दी गयी। आगामी सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर पर ले जाने के विषय में विचार विमर्श किया गया। प्राध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 को लागू करने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकोष्ठ की बैठक में प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह खत्री, डॉ. जितेन्द्र सिंह फोर, डॉ. नरेश राठी, डॉ. अनु राठी, डॉ. राजरूप सिंह, डॉ. ऊषा दहिया, डॉ. ऋतू दहिया, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. विजय किरण, डॉ. उर्मिला हुड्डा, आकांक्षा (छात्र), रविन्द्र कुमार (गैर-शिक्षक सदस्य), एवं कमल (पूर्व छात्र) उपस्थित रहे।

हर पात्र व्यक्ति चुनाव में मतदान के लिए कृतसंकल्पः विवेक आर्य

गोहाना। एसडीएम एवं बरोदा विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी विवेक आर्य ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग 18वें लोकसभा आम चुनाव में देश के हर पात्र नागरिक को लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बनाने के लिए कृतसंकल्प है। चुनाव में मतदान करने के लिए विभिन्न स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। विवेक आर्य ने कहा कि हमारे देश में लोकतंत्रात्मक व्यवस्था है। देश में लोकतंत्र व्यवस्था जितनी मजबूत होगी देश उतनी ही तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर होगा। 18वें लोकसभा आम चुनाव में हरियाणा प्रदेश में 25 मई को मतदान होगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में हर मतदाता सहभागी बने और अपना मतदान करे। चुनाव में जितने अधिक मतदान अपने मत का उपयोग करेंगे देश में लोकतंत्र व्यवस्था उतनी ही अधिक मजबूत बनेगी। एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी विवेक आर्य ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान करने से वंचित न रहे। इसके लिए मतदाताओं को विशेष सुविधाएं प्रदान करते हुए मतदान प्रक्रिया में सहभागी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल इस्तेमाल करने वाले 15,846 चालान कटे

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली।

- 15 अप्रैल तक का आकंड़ा, प्रतिदिन औसतन 150 लोग फोन का प्रयोग करते हुए पकड़े गए
- पिछले साल के मुकाबले इस समयावधि में 149 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी
- सबसे ज्यादा चालान पंजाबी बाग, तिलक नगर और कालकाजी ट्रैफिक सर्किल में हुए

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बात करना यातायात नियमों का उल्लंघन है। लेकिन इसके बावजूद वाहन चालक जमकर इस नियम तो तोड़ रहे हैं। आंकड़ों पर बात करें तो इस साल 15 अप्रैल तक मोबाइल पर बात करने पर 15,846 चालान यातायात पुलिस द्वारा काटे गये। प्रतिदिन औसतन देखा जाये तो 150 लोग पकड़े गये। पिछले साल के मुकाबले इस समयावधि में 149 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सबसे ज्यादा चालान पंजाबी बाग, तिलक नगर और कालकाजी ट्रैफिक सर्किल में हुए।इस वर्ष 1 जनवरी से 15 अप्रैल तक ट्रैफिक पुलिस ने 15,846 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इसी समयावधि में यह संख्या गत वर्ष 6369 था। दिल्ली पुलिस द्वारा सबसे अधिक चालान वाले शीर्ष 10 ट्रैफिक सर्किलों का गहन विश्लेषण भी किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा चालान पंजाबी बाग, तिलक नगर और कालकाजी सर्किल में किये गये। ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली के लोगों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से बचें।

10 ट्रैफिक सर्किल में काटे गये चालान

पंजाबी बाग	845
तिलक नगर	810
कालकाजी	797
नांगलोई	772
करोलबाग	675
डिफेंस कॉलोनी	670
संगम विहार	662
द्वारका	556
सफदरजंग एंक्लेव	522
नजफगढ़	507

तेज रफ्तार जगुआर कैब से टकराई, हादसे में 3 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली कैंट इलाके में रविवार तड़के हुए सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। जगुवार कार और डिजायर कैब के बीच टक्कर हुई। पुलिस ने हादसे को लेकर मुकदमा दर्ज कर आरोपी जगुआर कार चालक को अरेस्ट कर लिया है। हादसे के समय उसके साथ कार में एक महिला भी सवार थी। आरोपी सौरभ पाहवा (23) सरस्वती विहार के कोहाट एंक्लेव का रहने वाला है। वह बीबीए थर्ड ईयर का छात्र है। पुलिस के मुताबिक धौलाकुंआ के नजदीक एक्सीडेंट की सूचना तड़के 4 बजकर 55 मिनट पर मिली। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया जा चुका है। घायल कैब ड्राइवर की पहचान गणेश नगर, शकरपुर निवासी हरजीत सिंह के तौर पर हुई। वहीं दो अन्य घायलों में पीछे बैठे दो यात्री शामिल हैं। मौके पर जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि तेज रफ्तार जगुआर कार ने इस कैब को टक्कर मारी थी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सड़क के दूसरी तरफ जाकर डिवाइडर से जा टकरायी। जगुआर कार भी बुरी तरह से क्षतिगस्त हुई है। हादसे के बाद जगुआर चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने गाड़ी के मालिक का पता लगाया। कार सुशील पाहवा की है। वह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है। बहरहाल पुलिस आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कर्पूरी ठाकुर ने गरीबों की चिंता की और उनके लिए किए अनेकों कार्य : चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- जननायक कर्पूरी ठाकुर का जन्म शताब्दी वर्ष मनाया

आज से 50 वर्ष पहले किसी व्यक्ति ने गरीबों की चिंता करी या गरीब के लिए अनेकों कार्य किये हो, वह कर्पूरी ठाकुर थे। कर्पूरी ठाकुर अपने गांव के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 10वीं की परीक्षा पास करी थी और वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने गठबंधन राजनीति की नींव रखी। दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा द्वारा रविवार को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्म शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उक्त बातें कहीं। इस अवसर पर सम्राट चौधरी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने पर आभार जताने के लिए भाजपा दिल्ली प्रदेश द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए पूरी टीम को बधाई दी और उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मनोज तिवारी, वीरेंद्र सचदेवा, नीरज तिवारी, सुनील यादव ने भी सभा को संबोधित किया। वहीं, संगठन महामंत्री पवन राणा, वरिष्ठ नेता सुमित भसीन, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष नीरज तिवारी, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुनील यादव सहित अन्य पदाधिकारी और बिहार के कई पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल वासी उपस्थित थे।

गूगल पर फर्जी विज्ञापन देकर लोगों को करते थे टारगेट

जेएनयू प्रोफसर को ठगने वाला झारखंड से दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जेएनयू के एक प्रोफेसर से ठगी करने वाले जालसाज को पुलिस ने झारखंड से अरेस्ट किया है। आरोपी रियाज अंसारी (18) अपने भाई के साथ मिलकर ठगी करता था। इसके पास से छह मोबाइल फोन, छह सिमकार्ड और बैंक से सम्बंधित जाली दस्तावेज बरामद हुये हैं। जामताड़ा झारखंड से ठगी का धंधा ऑपरेट किया जा रहा था। एनसीआरपी पोर्टल पर इस मामले से जुड़ी 13 अन्य शिकायतें लिंक मिली हैं। कथित बैंक खातों से एक करोड़ से ज्यादा की ठगी का पता चला है। डीसीपी साउथ वेस्ट रोहित मीना के अनुसार रियाज अंसारी पिछले साल 21 अक्टूबर को वसंतकुंज निवासी उदयनाथ साहू के साथ ठगी में शामिल था। पीड़ित जेएनयू में प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी फ्लाइट की टिकट रद्द कराने के बाद रिफंड के लिए एयर एशिया का कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च किया था। एक साइट पर उन्हें नंबर मिल गया। वहां कॉल करने पर एक शख्स ने फोन रिसीव किया। उसने खुद को ग्राहक सेवा का प्रतिनिधि बताया। उनकी मदद का नाटक कर जालसाज ने पीड़ित से एनी डेस्क एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा। उन्हें भेजे गए फिशिंग लिंक पर शिकायत दर्ज कराने के लिए भी बोला गया। फिशिंग लिंक एसबीआई खाते का विवरण देने वाला परफॉर्मा था। जालसाज ने उन्हें रकम वापस करने का भरोसा दिया। इस बीच पीड़ति द्वारा बैंक विवरण दर्ज करने के बाद जैसे ही जालसाज ने उनके नेट बैंकिंग में लॉग इन किया, तभी अकाउंट से 7,32,510 रुपए कट गए।

खास बात

- अपने भाई के साथ मिलकर करता था ठगी

सरेआम चाकू से ताबड़तोड़ वार कर की पत्नी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत नगर इलाके में एक शख्स ने सरेआम चाकू से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी। इस वारदात के बाद आरोपी ने फरार होने की कोशिश की लेकिन पब्लिक ने पीछा कर पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी का नाम जावेद (24) बताया गया है। वारदात शनिवार शाम हुई। शुरुआती जांच में वारदात के पीछे घरेलू कलह की बात सामने आई है। महिला पति के बुरे बर्ताव के कारण कुछ समय से अलग रह रही थी।

पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम करीब सात बजे भारत नगर थाने को इस घटना की सूचना मिली। पुलिस ने महिला को नजदीकी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला का नाम अफसाना (28) बताया गया है। वह इन दिनों बुनकर कॉलोनी स्थित मायके में रह रही थी। इसका पांच साल का बेटा और डेढ़ साल की बेटी है। महिला की करीब छह साल पहले जावेद से शादी हुई थी। जावेद का कपड़ों की सिलाई का काम है।

खबर संक्षेप

बाला जी मंदिर का वार्षिकोत्सव 30 को

गोहाना। शहर में लक्ष्मी नगर में स्थित संकट मोचन श्री बाला जी मंदिर का वार्षिकोत्सव बुधवार को आयोजित होगा। वार्षिकोत्सव का संयोजन महंत संतराम सैनी और महंत कमल उर्फ गुड्डी सैनी करेंगे। अध्यक्षता मंदिर के अध्यक्ष तथा सोनीपत विहिप के पूर्व जिला अध्यक्ष राम कुमार मित्तल करेंगे। वार्षिकोत्सव में ज्योति को प्रचंड करने की रस्म गोहाना हलका निगरानी कमेटी के पूर्व संयोजक गुलशन विरमानी, हार की रस्म मेन बाजार स्थित सनातन धर्म मंदिर के अध्यक्ष संजय मेहंदीरत्ता और छत्र की रस्म मोदी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा करेंगे।

दुकान में सेंध लगा नकदी व सामान चुराया

गोहाना। शहर में ड्रेन आठ के निकट कन्फेंसनरी की दुकान में चोरों ने सेंध लगाकर नकदी और सामान चोरी कर लिया। रविवार को दुकानदार दुकान पर आया तो चोरी का पता चला। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। जींद में गांव भंभेवा के रमेश ने गोहाना शहर में ड्रेन आठ के निकट कन्फेंसनरी की दुकान कर रखी है। शनिवार रात लगभग आठ बजे वह दुकान बंद करके घर चला गया था। रविवार सुबह लगभग सात बजे वह दुकान पर आया तो चोरी का पता चला। दुकान में दो गेट लगे हुए हैं। पीछे की तरफ लगा छोटा गेट तोड़कर चोरी की गई। चोर दुकान से लगभग 15 हजार रुपये, रेड बुल की बोतलें और अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत में वार्षिकोत्सव, आध्यात्मिक वैदिक सत्संग सुधापान का समापन

जीवन में अध्ययन व स्वाध्याय जरूर करें

गुरु तेग बहादुर साहब का जन्म श्री अमृतसर साहिब में पिता गुरु हरगोबिंद साहिब एवं माता नानकी जी के घर हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आर्य समाज मॉडल टाऊन सोनीपत में वार्षिकोत्सव समारोह के समापन दिवस का कार्यक्रम संस्था प्रधान अर्जुन देव दुरेजा की अध्यक्षता और आचार्य विष्णु मित्र वेदार्थी के ब्रह्मत्व में चतुर्वेद शतकम के मंत्रों द्वारा यज्ञ और सत्संग की पूणार्हुति और समापन किया गया।

आर्य समाज के सुयोग्य पुरोहित आचार्य सतन देव सत्यम ने माधुर्यक वाणी से सामवेद के मंत्रों का पाठ करके भावार्थ सहित समझाया। यज्ञोपरांत जालंधर से आमंत्रित संगीतरत्न सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन और ढोलक वादक जसबीर सिंह ने महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती की जीवन गाथा और जीवन निर्माण के गीत प्रस्तुत करके श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। हरिचंद स्नेही वैदिक प्रवक्ता ने मंच का कुशल संचालन किया। गीतों के कार्यक्रम के पश्चात बिजनौर से आमंत्रित यज्ञ के ब्रह्मा और मुख्य वैदिक प्रवक्ता ने बताया कि हमको जीवन में अध्ययन और स्वाध्याय अवश्यमेव करना चाहिए। जो पुस्तकें वैदिक मान्यताओं पर आधारित अर्थात आर्ष ग्रन्थ हों जिससे हमारे जीवन का निर्माण हों।

हम स्वयं भी अध्ययन करें और बच्चों को भी पढ़ाने के लिए प्रेरित करें। दूसरे हम आत्मिक शान्ति के लिए आत्मा की आवाज को सुनें तथा मोक्ष प्राप्ति के लिए परमेश्वर से लगाव करनें का प्रयास करते हुए उन्नति पथ पर अग्रसर होते रहें। इस कार्य से मन, बुद्धि , चित्त और अहंकार प्रकाशित होकर हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगे।

समारोह में वयोवृद्ध ज्ञान ठक्कर और राम चन्द्र कटारिया को आर्य समाज मॉडल टाऊन के प्रति की गई विशिष्ट सहयोग के प्रति कार्यकरिणी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त सोनीपत के विधायक सुरेन्द्र सिंह पंवार तथा कांग्रेस नेता कमल हसीजा को भी सम्मानित किया गया। गीता सहगल विद्यालय प्रधानाचार्या के प्रेरणादायक नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कुशलतापूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्वामी दयानन्द सरस्वती के उपलब्धियों के संबंध में बाल विवाह रुकवाने, नारी शिक्षा को प्रोत्साहन, सती प्रथा रुकवाने, विधवा विवाह को प्रोत्साहित करने वाला आदि कार्यों की लघुनाटिका जब प्रस्तुत की गई तो उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो गए। समारोह में यज्ञ की पूणार्हुति और समापन के पश्चात भंडारे की समुचित व्यवस्था भी की गई थी। समारोह का हर पहलू से सफलता पूर्वक हुआ।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान हवन यज्ञ में हिस्सा लेते हुए अतिथिगण।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान भजन प्रस्तुत करते हुए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महात्मा वेद मुनि वानप्रस्थी, महेश जुनेजा, सुनील सचदेवा, ज्ञानेश्वर त्यागी, गीता सहगल, ईश्वर दहिया, निर्मल रेलन, मंजु आर्या, ज्ञान ठक्कर, प्रमोद कुमार मल्होत्रा, नरेश सहगल, विद्यालय का स्टॉफ और विद्यार्थियों आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहब राज मोहल्ला सोनीपत में धूमधाम से श्री गुरु तेग बहादुर साहब का प्रकाश दिवस मनाया गया। गुरु तेग बहादुर साहब का जन्म श्री अमृतसर साहिब में पिता गुरु हरगोबिंद साहिब एवं माता नानकी जी के घर हुआ। बचपन में गुरु जी का नाम त्यागमल था। करतारपुर की जंग में गुरु जी ने तेग के बहुत अच्छे जौहर दिखाएं। तब पिताजी ने उनका नाम तेग बहादुर रख दिया। इस अवसर पर रागी भाई करतार सिंह दिल्ली से पहुंचे उन्होंने संगत को कीर्तन श्रवण कराया। अध्यक्ष सरदार भगवंत सिंह जबल ने संगत को गुरु जी के प्रकाश दिवस की बधाई दी। महासचिव परमजीत सिंह ने कहा कि गुरु जी की शिक्षाएं आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारा समिति के सदस्य हरजीत सिंह अमरीक सिंह तेजेंद्र पाल सिंह मनजीत सिंह सुभाष चंद्र एवं सतनाम सिंह उपस्थित रहे समाप्ति उपरांत गुरु का लंगर वरताया गया।

गन्नौर। चिरस्मी गांव के सरपंच राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए।

भाजपा ने नेक नीयत और बुलंद इरादों के साथ जनता के अविश्वास को विश्वास में बदला

- राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार व मन्नत ग्रुप होटल्स के निदेशक देवेन्द्र कादियान का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राज्यसभा सांसद कृष्णलाल पंवार ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में व्यवस्था परिवर्तन कर प्रदेश के समावेशी विकास की जो परिकल्पना की गई थी, आज उसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। वे नगरपालिका रोड तारा गार्डन में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचे मन्नत ग्रुप आफ होटल्स के निदेशक देवेन्द्र कादियान का भी संत गुरू रविदास सेवा समिति के प्रधान दयान्नद अहलावत के अलावा गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। पंवार ने कहा कि आज हरियाणा के विकास की दशा व दिशा पूरी तरह बदल गई है। पूर्व की सरकारों में भाई-भतीजावाद, क्षेत्रवाद का बोलबाला था। भ्रष्टाचार का नासूर प्रशासन के हर स्तर पर फैला हुआ था। आज परिस्थितियां एकदम बदली हुई हैं। भाजपा ने नेक नीयत और बुलंद इरादों के साथ जनता के अविश्वास को विश्वास में बदला है। भाजपा ने निराशा को आशा में बदला है। व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। राज्यसभा सांसद पवार ने कहा कि जन-आकांक्षाएं फलीभूत हो रही हैं और एक नया हरियाणा बना है। अब सरकारी सेवाओं व योजनाओं के लाभ घर बैठे मिलने लगे हैं।

रक्तदान शिविर में 40 ने किया रक्तदान

सोनीपत। शिविर के दौरान मौजूद संस्था के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जनहित अभियान फाउंडेशन और नेशनल सोशल आगेर्नाईजेशन द्वारा माडल टाउन स्थित एक कोचिंग सेंटर में रक्तदान शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि अध्यापक विकास ड्रोलिया ने शिविर का उदघाटन किया। जनहित फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा और नेशनल सोशल आगेर्नाईजेशन के सदस्यों ने बताया कि रक्तदान शिविर में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर नेशनल सोशल आगेर्नाईजेशन ब्रांच के रामनिवास, दिव्यांशु, अभिषेक, राहुल, सुनील दहिया, मोहित, सौरभ, नैना, संजू, शीतल, आनद राणा, मुकेश तोमर, अनिल नांदल, अजीत कुहाड़, बिजेंद्र मलिक, विनोद तोमर आदि उपस्थित रहे।

जेईई मैन्स में एकता, शौर्या ने मारी बाजी

- एकता, शौर्य शर्मा, तन्मय, दीपांशु नांदल, तन्मय व सचिन ने परीक्षा में अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया

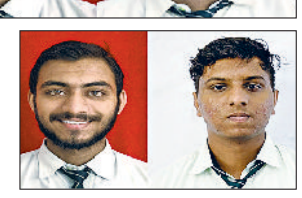

सोनीपत। जेईई मैन्स में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ब्राइट स्कॉलर स्कूल के छात्रों ने जेईई मैन्स परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया और सोनीपत शहर को गौरवान्वित किया। स्कूल से एकता, शौर्य शर्मा, तन्मय, दीपांशु नांदल, तन्मय और सचिन ने इस परीक्षा में अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। इनके सफलता से पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और सभी के लिए यह गर्व का विषय रहा। प्राचार्या किरण दलाल ने इन छात्रों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और कहा कि जीवन में सच्चे मन से की मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। उन्होंने इन बच्चों की प्रशंसा की और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस कोभ्रष्टाचार का अनुभव व हमें जनसेवा का: मनोहर लाल

- विजय संकल्प रैली को पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में अब किसी का कोई गढ़ नहीं बचा है। सभी के गढ़ धराशाही हो गए हैं। कांग्रेस के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पिछली हार का मलाल अभी तक है और यह मलाल इस बार भी रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस की सोच अपने परिवारों और रिश्तेदारों को आगे बढ़ाने की रही है। जबकि मोदी का परिवार 140 करोड़ देशवासियों का परिवार है। प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रहे हैं। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल शासन किया और जमकर लूट और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भाजपा की सरकार बनने के बाद लूट खसूट को बंद कर पारदर्शी शासन व्यवस्था को लागू किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को मुरथल स्थित एक निजी स्कूल में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब 2014 में सरकार बनी तो कांग्रेस के लोग बोलते थे मनोहर लाल को प्रदेश चलाने का अनुभव नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे कांग्रेस को रिश्वत और भ्रष्टाचार का अनुभव है, उसी तरह से हमें भी 40 साल का लोगों की सेवा करने का अनुभव है। पूर्व सीएम ने कहा कि अब कांग्रेस के नेताओं को हार का भय सता रहा है। सौदेबाजी करने वाली कांग्रेस अब मोदी सरकार के कराए गए कामों से भयभीत हो रही है और फिर नए सिरे से गरीबी हटाने का झूठा नारा लगा रही है।

सोनीपत। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

कार सवार युवकों ने आटो चालक से नकदी व मोबाइल लूटा

गोहाना। जींद-गोहाना मार्ग स्थित गांव बुटाना में बस स्टैंड के निकट कार सवार पांच-छह युवकों ने आटो चालक से नकदी व मोबाइल लूट लिया। उन्होंने कार के पिछले हिस्से पर हरियाणा सरकार लिखवा रखा था। बदमाशों ने कार को आटो के आगे अड़ा कर घटना को अंजाम दिया। बरोदा थाना में मामला दर्ज किया गया। सोनीपत में आदर्श नगर में छोटी पुलिया के निकट रहने वाले रवि ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह सोनीपत से दो सवारियों को लेकर जींद गया था। वह रविवार तडके लगभग तीन बजे जींद-गोहाना मार्ग स्थित गांव बुटाना के स्टैंड पर पहुंचा। उसी समय स्विफ्ट डिजायर कार आई और उसकी आटो के सामने अड़ा दी गई। उसने आटो रोक दी। कार से पांच-छह युवक उतरे जिन्होंने हाथ में डंडे ले रखे थे। उन युवकों ने उसके जेब से एक हजार रुपये और मोबाइल छीन लिया। कार के पिछले हिस्से पर हरियाणा सरकार लिखा हुआ था। नंबर प्लेट के आधे हिस्से पर मिट्टी लगा रखी थी। बदमाश घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। आटो चालक द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और आटो चालक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

305 ने किया रक्तदान, 230 यूनिट आर्मी के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मां भारती रक्तवाहिनी के द्वारा सशस्त्र सेना आदान केंद्र दिल्ली केंट के लिए गांव बढमलिक के सरकारी स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया गया, जिसमें कुल 305 रक्तदाताओ ने रक्तदान किया जिसमे 230 यूनिट आर्मी के लिए रक्तदान हुआ। डॉक्टर भानु शर्मा के नेतृत्व 75 यूनिट ब्लड नागरिक अस्पताल से आई रक्तकोष टीम ने दान करवाया। मुख्य अतिथि के रूप में ओएसडी एवं संस्था के मार्गदर्शक विरेंद्र सिंह बढ़खालसा ने संस्था को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसआरएम यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रो. सामुअल राज, वार्ड 6 पार्षद पुनीत त्यागी, प्रतीक शर्मा, संस्था मार्गदर्शक स्नेहलता, पूर्व एसीपी दिनेश शर्मा दिल्ली, एसआई जगत सिंह, वैध गोविंद शरण प्रसाद, मनीष राई, चंद्रकांत गौड़, जयवीर गहलावत व जयभगवान अंतिल टीम आदि पहुंचे और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। अंत मे संरक्षक पूर्णमल गौड़ व अध्यक्ष विपिन कुमार गौड़ ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों व ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

सोनीपत। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते संस्था सदस्य एवं अतिथिगण।

मिक्स मार्शल आर्ट में जीता स्वर्ण पदक

सोनीपत। पहलवान कुमारी संध्या राठी ने ऋषिकेश उत्तराखंड में आयोजित ऑल इंडिया नेशनल मिक्स मार्शल आर्ट में स्वर्ण पदक हासिल किया है। मूल रूप से गांव धनाना तहसील गोहाना की रहने वाली संध्या राठी ने 26 अप्रैल से 28 अप्रैल 2024 तक ऋषिकेश उत्तराखंड में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। यहां पर 56 किलो भार वर्ग में अपने दांव पेच से प्रतिद्वंदी खिलाड़ियों को पराजित कर स्वर्ण पदक जीता है।

गन्नौर। स्कूल के प्रधानाचार्य जयभारत गुप्ता पदक विजेता छात्र का स्वागत करते।

रूद्र प्रताप ने तलवारबाजी में जीता रजत

गन्नौर। जी टी रोड स्थित बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल के छात्र ने तलवारबाजी में रजत पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन किया। 25 वीं राष्ट्रीय सब- जूनियर चैम्पियनशिप राजमहेंद्रवरम, आध्र प्रदेश में हुई थी। पदक विजेता छात्र को स्कूल के प्रधानाचार्य जयभारत गुप्ता ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। गुप्ता ने कहा कि स्कूल के छात्र ने पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन किया है। विद्यालय के लिए बड़े गौरव की बात है। गुप्ता ने बताया कि इससे पहले भी स्कूल के छात्र विभिन्न खेलो में पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन कर चुके है। उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ खेलो की तरफ भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में पहुंचने का दिया न्योता

गन्नौर। सनपेड़ा गांव में भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह में पहुंचने का न्यौता देते परिषद के सदस्य।

गन्नौर। ब्राह्मण उत्थान परिषद द्वारा 12 मई को सोनीपत के सेक्टर 15 के सामुदायिक भवन में भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में काफी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग एकत्रित होंगे। यह जानकारी ब्राह्मण उत्थान परिषद के अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने दी। मुकेश शर्मा ने परिषद के सदस्यों के साथ रविवार को भिगान व सनपेड़ा गांव में पहुंच कर ब्राह्मण समाज के लोगों को समारोह में पहुंचने का न्यौता दिया। उन्होंने बताया कि समारोह की शुरूआत सुबह 8 बजे हवन के साथ होगी। इसके बाद भगवान परशुराम चौक से शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के बाद सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के समापन पर भंडारा आयोजित किया। उन्होंने लोगों से समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचनी की अपील की है। इस अवसर पर अरुण कौशिक भारतीय, प्रदीप अत्री, राजेंद्र गौतम, अनिल कौशिक, अनिल वशिष्ठ, सोमदत्त कौशिक, श्रवण कौशिक, तरूण कौशिक आदि मौजूद रहे।

पौधे जंगली जलेबी, चांदनी, नीम और अर्जुन के रहे

समाज कल्याण संगठन ने लगाए 32 पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में रविवार को समाज कल्याण संगठन ने तीन सार्वजनिक स्थलों पर 32 नए पौधे रोपे। ये पौधे जंगली जलेबी, चांदनी, नीम और अर्जुन के रहे।

पौधरोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। संगठन ने महम रोड के डिवाइडर, विश्वकर्मा चौक और रोहतक रोड के मुक्तिधाम में नए पौधे रोपे तथा पहले से लगे हुए पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई की। पौधों को दीमक से बचाने के लिए दीमक रोधी दवाई डाली गई। पौधों को वाटर टैंकर की मदद से पानी भी दिया गया। पौधरोपण के लिए श्रमदान अजीत चौहान, डॉ. बिजेंद्र, सुनील जांगड़ा, अभिमन्यु शर्मा, बलजीत जांगड़ा, प्रवीण कुमार, पवन कुमार, जगदीश चंद्र, मुकेश कुमार, सुभाष चंद्र आदि ने किया।

गोहाना। पौधों की निराई-गुड़ाई करते हुए संगठन कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि